महत्वपूर्ण एवं खास

नवविवाहिता का शव पेड़ से लटकता मिला, पति फरार

कांकेर (आरएनएस)। जिले के थाना परतापुर अंर्तगत ग्राम पीव्ही-72 में नवविवाहिता का शव संदिग्ध अवस्था में गांव से बाहर जंगल में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। घटना की जानकारी जैसे गांव में उसके पति को मिली तब से वह फरार है। प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पीव्ही-72 निवासी नवविवाहिता नेहा बढ़ाई का शव गांव से दूर जंगल में लटका मिला। शाम चार बजे महिला अपने पति के साथ विवाद हुआ था। उसके बाद वह नाराज हो घर से निकली थी। घटना के दो घंटे बाद गांव में सूचना मिली की किसी का शव गांव से बाहर लटका है। जिसके बाद ग्रामीणों ने पहुंच कर देखा तो वह शव नेहा बढ़ाई पति पंकज बढ़ाई का था। दोनों का विवाह 06 माह पूर्व ही हुआ था। लड़की के पिता का आरोप है कि उसकी बेटी की हत्या की गई है।

तेज रफ्तार बाईक की ठोकर से बुजुर्ग की हुई मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपाल में रहने वाले एक बुजुर्ग एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने ठोकर मार दिया, इस घटना में घायल बुजुर्ग को अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार केसरपाल निवासी नीलाम्बर कश्यप उम्र 70 वर्ष किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे, इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसे ठोकर मार दिया, इस घटना में बुजुर्ग को गंभीर चोट आई, जिसे उपचार के लिए मेकॉज लाया गया, जहां उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई।

दोरनापाल कैम्प में जवान ने स्वयं को गोली मार की आत्महत्या

सुकमा (आरएनएस)। जिले के दोरनापाल स्थित 223 बटालियन में पदस्थ एक जवान कमला कांता रोहिदास निवासी उडीसा के झारसुगुड़ा ने स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर लिया है। मृतक जवान का कुछ दिन पहले ही छुट्टी से वापस लौटा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोरनापाल कैम्प में बीती रात करीब 12 बजे कांस्टेबल ने अपने इंसास राइफल से स्वयं को गोली मार लेने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर साथी जवानों ने मौके पर जाकर देखा तो जवान जमीन पर खून से लथपथ पड़ा था। आत्महत्या का कारण अज्ञात है, पुलिस जांच में जुट गई है। सुकमा एसपी केएल ध्रुव ने घटना की पुष्टी की है।

अपहरण व दुष्कर्म का आरोपी हैदराबाद से गिरफ्तार

राजनांदगांव/डोंगरगढ़ (आरएनएस)। 13 नवम्बर को थाना डोंगरगढ़ में रिपोर्ट की गई कि उसकी नाबालिग लड़की 12 नवम्बर को सुबह 11 बजे घर से निकली लेकिन कई जगह पता लगाने पर भी कोई पता नहीं चला है प्रार्थिया को शंका है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी लड़की को बहला कर ले गया है जिस पर थाने में धारा 363 कायम कर विवेचना में लिया गया । वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में बच्ची की खोजबीन पड़ोसी राज्यों में की जा रही थी इस दौरान जानकारी मिली कि ग्राम कनेरी थाना बागनदी निवासी आरोपी अखिल उर्फ मुरारी मंडावी द्वारा लड़की को तेलंगाना में ले जाकर रखा गया है थाना प्रभारी निरीक्षक शिव चंद्रा के नेतृत्व में टीम तेलंगाना रवाना की गई जहाँ लड़की को आरोपी के कब्जे से बरामद किया गया। पूछताछ पर पीड़िता ने बताया कि मंडावी द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किया गया आरोपी को धारा 366,376(2)(ढ) भा.द.वि. 4,6 पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

वर्मी कम्पोस्ट डीएपी खाद का बेहतर विकल्प : भूपेश बघेल

» गोधन न्याय योजनाः गोबर विक्रेताओं को अब तक किया गया 114 करोड़ रुपए का भुगतान

» मुख्यमंत्री ने आज पशुपालकों, ग्रामीणों, गौठानों के महिला समूहों और गौठान समितियों के खाते में अंतरित की 2.92 करोड़ रूपए की राशि

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़े महिला समूहों और गौठान समितियों को 2 करोड़ 92 लाख रूपए की राशि ऑनलाइन जारी की। इस राशि में 15 नवम्बर से 30 नवम्बर तक राज्य के गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से गोधन न्याय योजना के तहत क्रय किए गए गोबर के एवज में 2 करोड़ 44 लाख रूपए भुगतान तथा गौठान समितियों और महिला समूहों को 48 लाख रूपए की लाभांश राशि शामिल है। गोबर विक्रेताओं को आज भुगतान की गई राशि को मिलाकर अब तक गोबर विक्रेताओं को इस योजना के तहत 114 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गोधन न्याय मिशन के संचालन के लिए 50 लाख रूपए की राशि जारी की।

मुख्यमंत्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के गौठानों में तैयार किया जा रहा वर्मी कम्पोस्ट डीएपी खाद का अच्छा विकल्प है। किसान अपने खेतों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग करें, इससे स्वायल हेल्थ में सुधार होगा, भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में रासायनिक खादों की कमी है। भारत सरकार खाद की आपूर्ति किसानों को नहीं कर पा रही है। इससे कृषि प्रभावित होगी। आने वाले समय में भी रासायनिक खाद की आपूर्ति में दिक्कत आ सकती है। ऐसे में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग कर किसान अच्छी फसल ले सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में किसान भाईयों और पशुपालकों से अपने पशुओं को खुले में नहीं छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि पशुओं को घरों में या गांव के गौठान में रखें। इससे दूसरी फसल को बचाया जा सकेगा। पैरा न जलाएं, पैरे का उपयोग पशुओं को खिलाने में करें। बघेल ने पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था करने की आवश्यकता बताते हुए गौठानों के चारागाह में चारा लगाने की व्यवस्था करने की अपील भी की।

श्री बघेल ने कहा कि रबी सीजन में मखाने की खेती को प्रोत्साहन देने का निर्णय लिया गया है। मखाने की बाजार में अच्छी मांग है और इसके भण्डारण में भी समस्या नहीं है। किसानों को मखाने की खेती की जानकारी और प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही उन्हें मखाने के बीज की उपलब्धता से लेकर मखाने की बिक्री तक हर संभव प्रोत्साहन दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसान रबी मौसम में दलहन और तिलहनी फसलें लें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ऐसे क्षेत्र जहां किसान तिलहनी फसल ले रहे हैं, वहां के गौठानों में तेलघानी की व्यवस्था तथा ऐसे क्षेत्र जहां किसान दलहनी फसल लेते हैं, वहां के गौठानों में दालों को दरने उनकी ग्रेडिंग और पैकेजिंग की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे गौठानों में काम कर रहे महिला स्व-सहायता समूहों को नियमित रोजगार और आय का साधन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने गौठानों में तैयार की जा रही वर्मी कम्पोस्ट का विक्रय मूल्य परिवहन लागत सहित तय करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि वर्मी कम्पोस्ट के विक्रय से मिलने वाली राशि तथा लागत की राशि के अंतर की राशि गौठान समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को लाभांश के रूप में दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौठानों में लगभग 14 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट बनाई गई, जिसमें से 9 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का विक्रय किया गया। इसमें से ज्यादातर वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग हमारे किसानों ने किया है।

भालू के हमले से ग्रामीण महिला घायल

कोरबा (आरएनएस)। पाली-वन परिक्षेत्र कोरबा के ग्राम ढेंगुरडीह की एक महिला गांव से कुछ दूरी पर अपने खेत में धान के फसल की कटाई करने गई थी। इसी दौरान भालू आ धमका, महिला संभल पाती इससे पहले उस पर हमला कर दिया। लोगों की मदद से घायल महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सूचना वन विभाग को दी गई है। ढेंगुरडीह में रहने वाली अनिता बाई शनिवार को खेत में धान के फसल की कटाई करने गई हुई थी। इसी दौरान भालू ने हमला कर दिया। उसने मदद के लिए आवाज लगाई तो पास में ही धान कटाई कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और भालू को खदेड़ा। हमले में घायल महिला को संजीवनी 108 से जिला अस्पताल लाया गयाए जहां इलाज जारी है।

पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के मोरगा में आबादी क्षेत्र में आ पहुंचा भालू यहां के मिशन स्कूल में घुस आया। सुरक्षा के लिहाज से छात्रों को स्कूल से घर भेज दिया। भालू को खदेड़ते समय ग्रामीण उसके हमले से घायल हो गया। उसका इलाज स्वास्थ्य केन्द्र में जारी है। बताया गया कि स्कूल परिसर के उद्यान में मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान भालू के आ धमकने पर खदेड़ते समय ग्रामीण विजय अनुग्रह हमले में घायल हुआ। ब्लॉक के नगोई पंचायत का मोहल्ला भादा है, जहां भालुओं के गांव में आ धमकने से ग्रामीण परेशान हैं। रतजगा करने मजबूर हैं। बता दें कि पाली से चैतुरगढ़ मार्ग पर स्थित नगोई का भादा मोहल्ला जंगल से घिरा है। यहां के पहाड़ पर भालुओं रहते हैं। देर शाम भोजन की तलाश में भालू और बंदर आबादी क्षेत्र में घुस आते हैं।

नवा छत्तीसगढ़ के 36 माह : गौठान में निःशुल्क मिला खेत, बीज, पानी

» महिलाओं ने मेहनत कर उगा दी साढ़े पांच क्विंटल सब्जी

» 17 हजार से अधिक रूपए का मुनाफा कमाया, अब सब्जी के साथ नींबू, अमरूद, काजू भी लगाया

कोरबा (आरएनएस)। 'पंखो से कुछ नहीं होता, हौसलो से उड़ान होती है'' - बहुत पहले किसी कवि की लिखी इस कविता को पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड के सूर्या स्वसहायता समूह की महिलाओं ने अपनी मेहनत और हौसले सही साबित कर दिया है। इसमें उनकी भरपूर मदद राज्य सरकार की नरवा-गरवा-घुरवा-बाड़ी योजना ने की है। पोड़ी-उपरोड़ा विकासखण्ड के कापूबहरा ग्राम पंचायत की इन महिलाओं ने सुराजी गांव योजना के तहत बने गौठान के चारागाह में सब्जी की खेती कर एक सीजन में ही 17 हजार रूपए से अधिक का मुनाफा अर्जित किया है। इस समूह की 10 महिलाएं गौठान के चारागाह में सब्जी उत्पादन में लगी हैं। गौठान के चारागाह में अभी भी एक एकड़ से अधिक रकबे में सब्जी लगी है और हर दिन महिलाएं सब्जी की तुड़ाई कर स्थानीय बाजार और गांव में बेच रही हैं।

सूर्या स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती मोहनी बाई पटेल ने बताया कि पहले घर-परिवार के काम में ही लगे रहते थे। घर बाड़ी में अपने उपयोग के लिए थोड़ी बहुत सब्जी-भाजी लगा लेते थे। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने कापूबहरा गौठान में सब्जी की खेती के लिए समूह तैयार करने संपर्क किया। गांव की दस महिलाओं को मिलाकर सूर्या स्वसहायता समूह बनाया गया और गौठान में चारागाह वाली ज़मीन पर सब्जी की खेती के लिए मदद की गई। श्रीमती मोहनी बताती हैं कि गौठान में सब्जी लगाने के लिए निःशुल्क खेत मिल गया, उद्यानिकी विभाग द्वारा सब्जी के बीज भी मुफ्त में दिए गए। गौठान के चारों ओर मवेशियों से सुरक्षा के लिए फेंसिंग भी कराई गई है। गौठान के नलकूप से सिंचाई की सुविधा मिली और विभागीय अधिकारियों ने सब्जी की खेती के उन्नत तरीके बताए।

स्कूलों में नवा जतन से पढ़ाई में पिछड़े बच्चों का स्तर सुधारें : मंत्री डॉ. टेकाम

» स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया नवा जतन योजना का शुभारंभ

» राज्य में कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों के शैक्षणिक स्तर का रिकार्ड उपलब्ध

रायपुर (आरएनएस)। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज राज्य शैक्षणिक संस्थान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) में नवा जतन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित राज्य स्रोत समूह के सदस्यों से कहा कि स्कूलों में नवा जतन मार्गदर्शिका का उपयोग कर पढ़ाई में पिछड़ गये बच्चों को वर्तमान कक्षा के स्तर तक लाया जाए। उल्लेखनीय है कि कोरानाकाल में राज्य के स्कूलों में ऐसे बच्चे जो लर्निंग लॉस के कारण वर्तमान कक्षा स्तर से पिछड़े हुए हैं, ऐसे छात्रों को उपचारात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए 'नवा जतन' कार्यक्रम संचालित होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के एससीईआरटी के द्वारा सेतु पाठ्यक्रम 2.0 के अंतर्गत नवा जतन कार्यक्रम का निर्माण किया गया है। मंत्री डॉ. टेकाम ने इस अवसर पर नवा जतन की मार्गदर्शिका का विमोचन भी किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि कोरोना के संक्रमण काल में सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों की शिक्षा का हुआ है। शिक्षकों के कई प्रयास के बाद भी बच्चों को अपेक्षा अनुसार शिक्षा प्राप्त नहीं हो पाई जिसके कारण पूर्व में शैक्षणिक रूप पिछड़े हुए बच्चों के लिए सेतु पाठ्यक्रम का निर्माण एससीईआरटी द्वारा किया गया था। इसे शिक्षकों ने सभी कक्षाओं मे बहुत लगन से लागू किया। उन्होंने ने बताया कि राज्य में कक्षा पहली से 8वीं तक के बच्चों का बेसलाइन आकलन केवल इसलिए नहीं था कि हम यह जान सके कि बच्चे वर्तमान में किस कक्षा के स्तर पर हैं, बल्कि उससे हमें यह भी जानना था कि बच्चे अपनी वर्तमान कक्षा के स्तर पर नहीं है, तो फिर निचली कक्षा के किस स्तर पर हैं।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि अब हमारे पास बेसलाइन आकलन के पूरे आंकड़े उपलब्ध हैं। राज्य में पढ़ने वाले लगभग 95 प्रतिशत बच्चों का रिकार्ड उपलब्ध है और संभवतः छत्तीसगढ़ देश का ऐसा पहला राज्य है जिसके पास कक्षा एक से आठ तक का प्रत्येक बच्चा किस स्तर पर है, यह जानकारी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में बच्चों के शैक्षणिक स्तर को देखने का तरीका बता दिया गया है।

आत्महत्या के लिए विवश करने वाले पति को छह साल की सजा

कोरबा (आरएनएस)। दहेज के नाम पर प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पति को न्यायालय ने छह वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही तीन हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किया है। मामला रजगामार पुलिस चौकी अंतर्गत रावणभांठा क्षेत्र का है। यहां निवासरत प्रेमलाल चौहान अपनी पत्नी राधाबाई के साथ रोजाना विवाद करता था। 29 नवंबर 2018 की रात वह शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी के साथ विवाद कर मारपीट करने लगा। दूसरे दिन सुबह पुनः राधा बाई के साथ विवाद करने लगा। पति की प्रताडना से तंग आकर राधा बाई ने घर के अंदर रखे मिट्टी तेल को अपने शरीर में छिड़क आग लगा ली। जब आग की लपटों से घिर गई, तब वह चिल्लाते हुए बाहर निकली, तब उस पर सीमा चौहान, अंजू व राधा बाई की बेटी रेशमी चौहान ने पानी डाल कर बुझाने का प्रयास किया। किसी तरह आग बुझाने के बाद डायल 108 के माध्यम से जिला अस्पताल में राधाबाई को दाखिल कराया। जानकारी मिलने पर कार्यपालिक दंडाधिकारी ने 30 नवंबर को राधा का बयान भी दर्ज किया। इलाज के दौरान एक दिसंबर को राधा बाई की मौत हो गई।

'द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन' का आयोजन संपन्न

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर के धावकों का सबसे बड़ा समुदाय लेट्स रन ने अपने हर साल होने वाली 'द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन' का आयोजन हर साल होने वाली यह मैराथन पिछले छः साल से हो रही हैं और हर नवम्बर - दिसंबर में इसका आयोजन किया जाता है। हज़ारों की संख्या मैं इसमें छत्तीसगढ़ के धावक भाग लेते है, इस साल कोरोना के चलते इस आयोजन की संख्या 650 धावकों तक ही सीमित रखा गया था।

'द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन' मैराथन तीन कैटेगरी रखी गई थी जिसमें एक 21 किलोमीटर दूसरी 10 किलोमीटर और तीसरी 6 किलोमीटर दौड़ शामिल थी। मैराथन की शुरुआत हुकुम ललित महल से हुई। 21 किमी की दौड़ सुबह 5.30 बजे, 10 किमी की दौड़ 6.30 व 6 किमी की दौड़ की शुरूआत सुबह 7 बजे हुई। मैराथन से पहले प्रतिभागियों को जुम्बा व वॉर्मअप कराया गया। जिसके बाद इस दौड़ की शुरुआत छत्तीसगढ़ रेरा के अध्यक्ष विवेक ढांड , सीएसईबी के प्रमुख अंकित आनंद, सीएसआईडीसी के निदेशक अरुण कुमार पालनस्वामी ने की, एवं इनके समेत कई प्रशासनीक अधिकारियों ने इस दौड़ में हिस्सा लिया। इस दौड़ में कोविड की गाइडलाईन का पूरा पालन किया गया जिसकी जिम्मेदारी नारायणा अस्पताल ने निभाई।

यह दौड़ ललित महल से शुरू होकर अटल नगर तालाब से होते हुए पुनः ललित महल पर समाप्त हुई। धावकों के लिए जगह-जगह हाइड्रेशन पॉइंट बनाए गए थे। जहां पानी, जूस व एनर्जी ड्रीक्स की भी व्यवस्था की गई थी। यह सारी व्यवस्था औषधि घर पहुँच सेवा हेल्थ पोटली के सौजन्य से हुई, हर धावक को लेट्स रन की तरफसे दौड़ने के लिए टी-शर्ट, बैग, पानी की बोतल, नैपकिन एवं अन्य सामग्री का भी प्रबंध किया गया था जिसका सभी प्रतिभागियों ने बहुत प्रशंशा की।

रेस के डायरेक्टर डॉक्टर विनय तिवारी व कोऑर्डीनेटर सुनील अग्रवाल ने बताया कि इस रेस में हिस्सा लेने के लिए धमतरी, भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव से भी धावक पहुंचे थे। यह आयोजन छत्तीसगढ़ में कहीं भी होने वाली मैराथन का सबसे बड़ा आयोजन हैं जो की रायपुर शहर में दौड़ने वाले समुदाय के लिए हर हफ्ते में 3 दिन अलग - अलग किस्म की दौड़ का आयोजन करता हैं जो की किसी के लिए भी निशुल्क है। इस बार होने वाली दौड़ का विषय 'ट्री ऑफ़ लाइफ' था, डायरेक्टर डॉक्टर विनय तिवारी ने बताया आज जब हम महामारी से गुज़र कर निकले है, यहाँ से फिर से हमारा सफर हमको फिर से बहादुरी से आगे बढ़ना हैं, संघर्ष करना हैं जो की लम्बी दौड़ और जीवन दोनों के ही मायने है।

इस्पात क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण को रोकने प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से की मुलाकात

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से दिल्ली में सेफी पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर उनसे इस्पात क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण के विरूद्ध सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया। सेफी के अंतर्गत आने वाले अनेक इस्पात क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों पर निजीकरण की तलवार लटकी हुई है, जिसमें मुख्य रूप से नगरनार इस्पात संयंत्र, नीलांचल इस्पात संयंत्र, राष्ट्रीय इस्पात निगम, विशाखापट्टनम तथा सेल की तीन इकाईयों के निजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री बघेल ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों की महत्ता को समझा है और इनके राष्ट्रीय व सामाजिक, शैक्षणिक तौर पर सकारात्मक प्रभाव को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए, छत्तीसगढ़ में स्थित नगरनार इस्पात संयंत्र के निजीकरण का विरोध किया है। राज्य शासन ने विधानसभा में संकल्प पारित किया है कि नगरनार इस्पात संयंत्र के निजीकरण की स्थिति में राज्य शासन इस संयंत्र का अधिग्रहण करेगा। सेफी ने संकल्प पारित किये जाने पर मुख्यमंत्री बघेल को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधि मंडल ने बघेल से आग्रह किया कि इस्पात क्षेत्र की अन्य सार्वजनिक इकाईयों को निजी हाथों में देने की जगह यदि उनका उचित समायोजन कर दिया जाये तो राष्ट्र को एक अत्यंत ही लाभप्रद कंपनी प्राप्त हो सकता है। सेफी पदाधिकारियों ने भूपेश बघेल से आग्रह किया कि नगरनार इस्पात संयंत्र, नीलांचल इस्पात संयंत्र तथा वायजैक इस्पात संयंत्र एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं। यदि तीनों कंपनियों का मर्जर कर एक कंपनी बनाया जाये, तो इस कंपनी के पास दो उन्नत इस्पात संयंत्र, प्रचुर मात्रा में लौह अयस्क तथा निर्यात के स्वयं के बंदरगाह की उपलब्धता रहेगी, जिससे वर्तमान में अलग-अलग संचालित होकर हानि उठाने वाली यह कंपनी संयुक्त रूप से अत्याधिक लाभ के मौकों का सृजन कर सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री बघेल से इन सार्वजनिक उपक्रमों का नीतिगत मर्जर कराने हेतु किये जा रहे प्रयासों का नेतृत्व करने का आग्रह किया।

सेफी अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार बंछोर ने भूपेश बघेल को सेल बिरादरी की ओर से पे-रिवीजन को लागू करवाने में दिए गए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं० 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुश सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य क्षय में लेकर बेरोजगार, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रकार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ शासकता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सलाहता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU